SB NEWS

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 'एक राष्ट्र, एक चुनाव'-मोदी सरकार की...
3 ट्रोलिंग से कैसे निपटती हैं सारा अली खान...
4 मनोज भावुक बेस्ट राइटर अवार्ड (सिनेमा...

वर्ष: 9 | अंक: 167 | दिल्ली, शनिवार, 12 अप्रैल 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

## संक्षिप्त समाचार

### भगवान राम आज भी सुशासन और न्याय के प्रेरणास्रोत: मनोज सिन्हा

**जम्मू-कश्मीर (एजेन्सी)।** जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को कहा कि अयोध्या केवल एक आध्यात्मिक केंद्र नहीं, बल्कि पवित्र नगर है जो व्यक्ति के मूल्य, संकल्प और आकांक्षाओं को भी प्रतिबिंबित करता है। उन्होंने कहा कि भले ही भगवान श्रीराम का अवतार त्रेतायुग में हुआ, लेकिन वह आज भी सुशासन, न्याय और विकास के दूरदर्शी प्रतीक बने हुए हैं। राष्ट्रीय राजधानी में तीन दिवसीय अयोध्या पर्व के उद्घाटन अवसर पर अपने संबोधन में सिन्हा ने कहा, मैं 22 जनवरी को केवल एक तिथि के रूप में नहीं देखता, बल्कि एक ऐसे पुल के रूप में देखता हूं जो अतीत को वर्तमान से महत्वपूर्ण रूप से जोड़ता है। भारतीय संस्कृति, कला और भक्ति के केंद्र अयोध्या की महिमा को समर्पित अयोध्या पर्व 11 से 13 अप्रैल तक इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) परिसर में आयोजित किया जा रहा है। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भी इस अवसर पर प्रदर्शनी का अवलोकन किया। शेखावत ने कहा कि भगवान राम ने न केवल भारतीय विचारों और विविध क्षेत्रों में काम करने वाले व्यक्तियों को प्रेरित किया, बल्कि भारतीय संस्कृति के निरंतर प्रवाह को बनाए रखने के लिए आवश्यक ऊर्जा और दिशा भी प्रदान की है। फैजाबाद के पूर्व सांसद लल्लू सिंह भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

### उत्तराखंड विधानसभा भवन में कार्यालय में लगी आग

**उत्तराखंड (एजेन्सी)।** उत्तराखंड विधानसभा भवन के एक कार्यालय में शुक्रवार को आग लग गयी जिससे उसमें लगे परदे जल गए तथा कार्यालय में रखी अन्य सामग्री को भी नुकसान पहुंचा है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने यहां बताया कि सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे दमकल के वाहनों ने आग पर काबू पाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आग विधानसभा कैंटीन के उपर द्वितीय तल पर बने एक कार्यालय में लगी। आग से कार्यालय के खिड़की और दरवाजों पर लगे परदे जल गए तथा उसके अंदर रखी अन्य सामग्री को भी कुछ नुकसान पहुंचा है। पुलिस ने बताया कि मौके पर पहुंचे दमकल के दो वाहनों ने आग को बुझा दिया। प्रथमद्रष्टया आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी प्रतीत होती है। देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने घटनास्थल पर पहुंचकर मुआयना किया और घटना के कारणों की विस्तृत जांच के आदेश दिए।

### मुख्य निर्वाचन आयुक्त तीन दिवसीय दौरे पर रांची पहुंचे

**रांची (एजेन्सी)।** मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार झारखंड के तीन दिवसीय दौरे पर शुक्रवार शाम रांची पहुंचे। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कुमार ने यहां पहुंचने के बाद राज्य के कई शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की। झारखंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि सीईसी शनिवार को रामगढ़ में 55 स्वयंसेवकों से बातचीत करेंगे, जिन्होंने लोकसभा और विधानसभा चुनावों में भाग लिया था। उन्होंने कहा, इन स्वयंसेवकों ने पिछले साल हुए चुनावों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी झ रवि कुमार ने कहा कि रविवार को सीईसी रांची में बूथ-स्तरीय अधिकारियों से मिलेंगे। कुमार ने कहा कि वह चुनाव के दौरान घरेलू सर्वेक्षण, बीएलओ ऐप, मतदान समय प्रबंधन और अन्य संबंधित मामलों में बीएलओ के अनुभवों के बारे में भी जानेंगे।

स्लोवाकिया के ब्रातिस्लावा में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के साथ एक संवाद सत्र में भाग लिया। (स्त्रोत: पीआईबी)

## नरेला के एजुकेशनल हब के लिए 500 करोड़ रुपये के बजट

### दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था को बेहतर करने की प्राथमिकता हमारीः रेखा गुप्ता

**संजना भारती/संजय कुमार**

**नई दिल्ली।** उच्च शिक्षा हमारी प्राथमिकता में है। इसके मद्देनजर नरेला में प्रस्तावित एजुकेशनल हब के लिए इस साल के बजट में 500 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है। दिल्ली के उपराज्यपाल एवं आईपी यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति विनय कुमार सक्सेना ने ये बातें आईपी यूनिवर्सिटी के द्वारका कैंपस में आयोजित 17 वें दीक्षांत समारोह में अध्यक्षीय भाषण में कहीं।

डिग्री लेने वाले छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अब आपके कंधों पर पूरे समाज और राष्ट्र की जिम्मेदारी है। आपको संवेदनशील रहना होगा। जो शिक्षा किसी के जीवन में खुशी ना ला सके वो किसी काम की नहीं। मानवीय मूल्यों की पढ़ाई किताबों से संभव नहीं है। उन्होंने ये भी कहा कि इतिहास इस बात का गवाह है कि एक मनुष्य पूरी दुनिया में परिवर्तन ला सकता है। साथ ही उन्होंने कहा कि अब दिल्ली सुरक्षित हाथों में है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि हमारी प्राथमिकता दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था को बेहतर करने की है। छात्रों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि समाज के प्रति वे अपनी जिम्मेदारी को समझें। आपसी भागीदारी से ही विकसित दिल्ली या विकसित भारत का लक्ष्य पाया जा सकता है। दिल्ली के शिक्षा मंत्री श्री आशीष सूद ने इस अवसर पर कहा कि डिग्री सही मायने में विद्यार्थियों के संघर्ष की गाथा है और उनके जीवन की

असली परीक्षा अब शुरू होगी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को सस्टेनेबलिटी और अक से देश की सूरत को बदलना होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि सीखने की प्रक्रिया हमेशा जारी रहनी चाहिए।

दिल्ली के मुख्य सचिव श्री धर्मेंद्र ने इस अवसर पर कहा कि स्किल गैप को कम करने की जरूरत है। दीक्षांत भाषण देते हुए इस अवसर के मुख्य अतिथि इंडियन नेशनल साइंस अकादमी के अध्यक्ष प्रो. आशुतोष शर्मा ने कहा कि देश में इनोवेशन कल्चर को प्रमोट करने की जरूरत है। नए स्टार्ट अप को बढ़ावा देने की आवयश्कता है ।ज्ञान की विभिन्न धाराओं के कन्वर्शन की जरूरत है। जीवन पर्यंत शिक्षा और तकनीक के अनुप्रयोग पर भी उन्होंने जोर दिया। इस अवसर पर यूजी से पीएचडी तक के कुल 24,456 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई। 110 छात्रों को पीएचडी, 12 को एमफि ल, 2,624 को मास्टर्स, 20,739 को बैचलर्स, 483 को एमबीबीएस, 488 को एमडी, एमएस एवं आयुर्वेद वाचस्पति की डिग्री दी गई। इनमें से 74 छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए।

यूनिवर्सिटी के कुलपति पद्मश्री प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा ने इस अवसर पर यूनिवर्सिटी रिपोर्ट प्रस्तुत की उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में जल्द ही इंडियन नॉलेज सेंटर स्थापित किया जाएगा। साथ ही उन्होंने बताया कि यूनिवर्सटी में लगभग 100 टडव साइन किए हैं जिसमें से 40 विदेशी संस्थानों के साथ है। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी की प्रगति यात्रा पर आधारित एक पुस्तक इम्प्रेशंसः द आईपीयू जर्नी ऑफ एक्सीलेंस का लोकार्पण भी किया गया।

विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में कुल 110 पीएचडी प्राप्तकताओं में 35 पुरूष और 75 महिलाएँ शामिल हैं। इसके अलावा 73 मेडल विजेताओं में, 49 महिलाएँ हैं। साथ ही यूनिवर्सिटी के द्वारा दिए गए विशेष पदक भी महिलाओं ने जीते। यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलसचिव रहे डॉ. बी. पी. जोशी की स्मृति में दिया जाने वाला एक स्वर्ण पदक रिया दुआ को दिया गया, सिद्धार्थ खिटोलिया अवार्ड मुस्कान गुप्ता ने प्राप्त किया और अशोक साहनी एवं सुमन साहनी अवार्ड क्रमशः टेक्नोलॉजी एवं मेडिसिन के फील्ड में उल्लेखनीय योगदान के लिए पूजा सुखीजा और हिमानी तोमर को दिया गया।

## 4,000 डार्क स्पॉट्स होंगे रोशन, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: सीएम

### 'फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी को किया जाएगा सशक्त'

**संजना भारती संवाददाता**

**नई दिल्ली।** मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में दिल्ली सचिवालय में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की गई। बैठक के दौरान कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, श्री मनजिंदर सिंह सिरसा और आशीष सूद भी मौजूद रहें।

इस बैठक में मुख्य रूप से राजधानी के ट्रैफिक सिस्टम, सार्वजनिक स्थानों पर लाइट्स की व्यवस्था और 'डार्क स्पॉट्स', बेघर एवं बेसहारा लोगों के लिए आश्रय गृहों की व्यवस्था जैसे बड़े मुद्दों की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान दिल्ली पुलिस, शहरी विकास विभाग, परिवहन विभाग, सामाजिक कल्याण विभाग, पीडब्ल्यूडी, महिला एवं बाल विकास विभाग, डूसिब सहित तमाम विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहें।

सीएम रेखा गुप्ता ने बताया कि राजधानी के 4000 चिन्हित डार्क स्पॉट्स को रोशन करने की योजना पर तेजी से काम किया जाएगा। यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए 233 ट्रैफिक कंजेशन पॉइंट्स की पहचान की गई है, जिनके शीघ्र समाधान के लिए संबंधित विभागों को ठोस कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। बेघर और जरूरतमंद लोगों को गरिमामय जीवन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सभी ज़िलों के डीएम और एसडीएम को शेल्टर होम्स का नियमित निरीक्षण करने को कहा गया है, जबकि दिल्ली पुलिस को इन आश्रय स्थलों की सतत निगरानी और रह रहे लोगों की पहचान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

दिल्ली में जलभराव की समस्या को दूर करने के लिए 445 जलभराव क्षेत्रों की पहचान की गई है, जिन्हें 15 दिनों के भीतर समाधान देने के निर्देश दिए गए है। साथ ही फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी को सशक्त बनाने की दिशा में भी ठोस कदम उठाए जाएंगे और लंबित मामलो को प्राथमिकता से जल्द से जल्द निपटने के

निर्देश दिए गए। प्रदूषण नियंत्रण के तहत प्रदुषण फैलाने वाले वाहनों के खिलाफ एक सघन अभियान चलाया जाएगा। इसके साथ ही, जनता की शिकायतों और सुझावों को सीधे तौर पर सुनने और समाधान के लिए थानों और जिलों में सुझाव समितियों के गठन के निर्देश भी दिए गए हैं।

बैठक के बाद मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली की जनता को सुरक्षित, सुगम और बेहतर जीवन देना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। देश के आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का विजन है झ विकसित भारत 2047। दिल्ली इस संकल्प की अग्रणी राजधानी बने, इसके लिए हमारी सरकार हर विभाग के साथ समन्वय बनाकर आगे बढ़ रही है ताकि हर कार्य को समयबद्ध, जवाबदेह और प्रभावशाली बनाया जा सके। समीक्षा बैठक उसी दिशा में एक ठोस कदम है। पिछली बैठक में आदरणीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के साथ विस्तृत चर्चा की गई थी, जिसमें उन्होंने दिल्ली को सुरक्षा और सुव्यवस्था की मिसाल बनाने का स्पष्ट मार्गदर्शन दिया। उसी क्रम में हमने ट्रैफिक प्रबंधन, डार्क स्पॉट्स, शेल्टर होम्स जैसे अहम विषयों पर संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा की। सभी अधिकारियों को साफ निर्देश दिए गए हैं-अब बातों और फाइलों का नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर ठोस परिणामों का समय है।

बैठक के बारे में अधिक जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि इस बैठक के दौरान 4 प्रमुख एजेंडो पर विस्तृत चर्चा की गई । मुख्यमंत्री ने दिल्ली की ट्रैफिक व्यवस्था को अधिक सुचारु और नागरिकों के लिए सुरक्षित बनाने पर जोर देते हुए कहा कि दिल्ली जैसे महानगर में सुगम और सुरक्षित यातायात व्यवस्था नागरिकों की सुविधा और विकास के लिए बेहद आवश्यक है। इसी दिशा में दिल्ली के 233 ट्रैफिक कंजेशन पॉइंट्स की पहचान की गई है। इन भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों की समस्या का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली पुलिस, पीडब्लूडी और परिवहन विभाग को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

पीडब्लूडी के अधीन 123 कंजेशन पॉइंट्स हैं, जिनमें से 41 का समाधान किया जा चुका है, जबकि शेष पॉइंट्स का समाधान जून तक पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

### संजना भारती समाचार पत्र में छपी खबर का हुआ असर

## पीडब्ल्यूडी विभाग कैथल ने नरवल से राजौंद मार्ग के गड्ढ़ों पर किया पेच वर्क

पीडब्ल्यूडी विभाग कैथल द्वारा रिपेयर करवाई गई सड़क। (छाया: एसबी)

**एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार**

**राजौंद।** गांव नरवल रजबाहा माइनर से राजौंद पैट्रोल पंप (कैथल मार्ग) पर सड़क कई जगह से टूटी हुई थी। जिसकी खबर कई बार दैनिक संजना भारती समाचार पत्र में छप चुकी थी। यह मार्ग वाहन चालकों, राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बन चुका था। इस सड़क को रिपेयर करवाने के लिए मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सिंह सैनी, पीडब्ल्यूडी विभाग के मंत्री, उपायुक्त कैथल, विभाग के एसडीओ, जेई से निवेदन किया गया था। अब विभाग ने इस सड़क की रिपेयर करवा दी है। जिससे वाहन चालकों, राहगीरों ने राहत की सांस ली है। नागरिकों

रिपेयर से पहले की सड़क। (छाया: एसबी)

शमशेर सिंह, सुरेश कुमार, नरेश कुमार, विनोद कुमार ने सरकार, प्रशासन व सहयोग करने पर दैनिक संजना भारती समाचार पत्र का धन्यवाद किया है।

## कैबिनेट द्वारा लिया गया ऐतिहासिक फैसला बाबा साहब के सपने को साकार करने की दिशा में अग्रसर कदम: चीमा

**संजना भारती संवाददाता**

**चंडीगढ़।** पंजाब के वित्त मंत्री स हरपाल सिंह चीमा ने यहां कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब कैबिनेट ने राज्य में अनुसूचित जाति समुदाय के सदस्यों को कानून अधिकारियों के रूप में संविदा आधार पर नियुक्त कर उन्हें उपयुक्त प्रतिनिधित्व देने के लिए एक अध्यादेश जारी कर ऐतिहासिक फैसला लिया है। यह भारतीय संविधान के मुख्य निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. बी.आर. अंबेडकर के सपनों को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि आजादी के बाद कांग्रेस और अन्य पार्टियों ने कमजोर और पिछड़े वर्गों को सशक्त बनाने की बजाय उनका शोषण किया है। उन्होंने कहा कि इसके विपरीत आम आदमी पार्टी ने बाबा साहब अंबेडकर और शहीद भगत सिंह जैसे राष्ट्रीय नायकों के सपनों को साकार करने की दिशा में हर संभव कदम उठाया है। स हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि आज कैबिनेट में लिया गया फैसला इस दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। उन्होंने बताया कि उन्होंने तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा लाया गया "पंजाब लॉ ऑफिसर्स एंगेजमेंट एक्ट 2017" का कड़ा विरोध किया था क्योंकि यह अधिनियम कमजोर वर्गों को उचित प्रतिनिधित्व से वंचित रखता है, जो उनके साथ सीधा अन्याय है। वित्त मंत्री ने कहा कि कैबिनेट ने पंजाब लॉ ऑफिसर्स

एंगेजमेंट एक्ट 2017 में संशोधन के लिए एक अध्यादेश जारी करने को मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि इस कदम का उद्देश्य वर्तमान वार्षिक आय सीमा को 50 प्रतिशत तक घटाकर राज्य में अनुसूचित जाति समुदाय से संबंधित कानून अधिकारियों की संविदा आधार पर भर्ती के लिए आय मानदंडों में छूट देना है। स चीमा ने कहा कि इसका उद्देश्य अनुसूचित जाति समुदाय के सदस्यों को पंजाब के एजी एडवोकेट जनरल कार्यालय में कानून अधिकारियों के रूप में संविदा के आधार पर भर्ती करके उचित प्रतिनिधित्व प्रदान करना है।

इस दौरान वित्त मंत्री ने कहा कि एक और महत्त्वपूर्ण फैसले में कैबिनेट ने राज्य के सुधार ट्रस्टों के अलॉटियों के लिए बिना निर्माण शुल्क और बकाया अलॉटमेंट राशि से संबंधित "वन टाइम रियायत (ओटीआर)" नीति को भी मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि इस फैसले से अलॉटियों को बड़ी राहत मिलेगी क्योंकि उनका दंडात्मक ब्याज माफ कर दिया जाएगा।

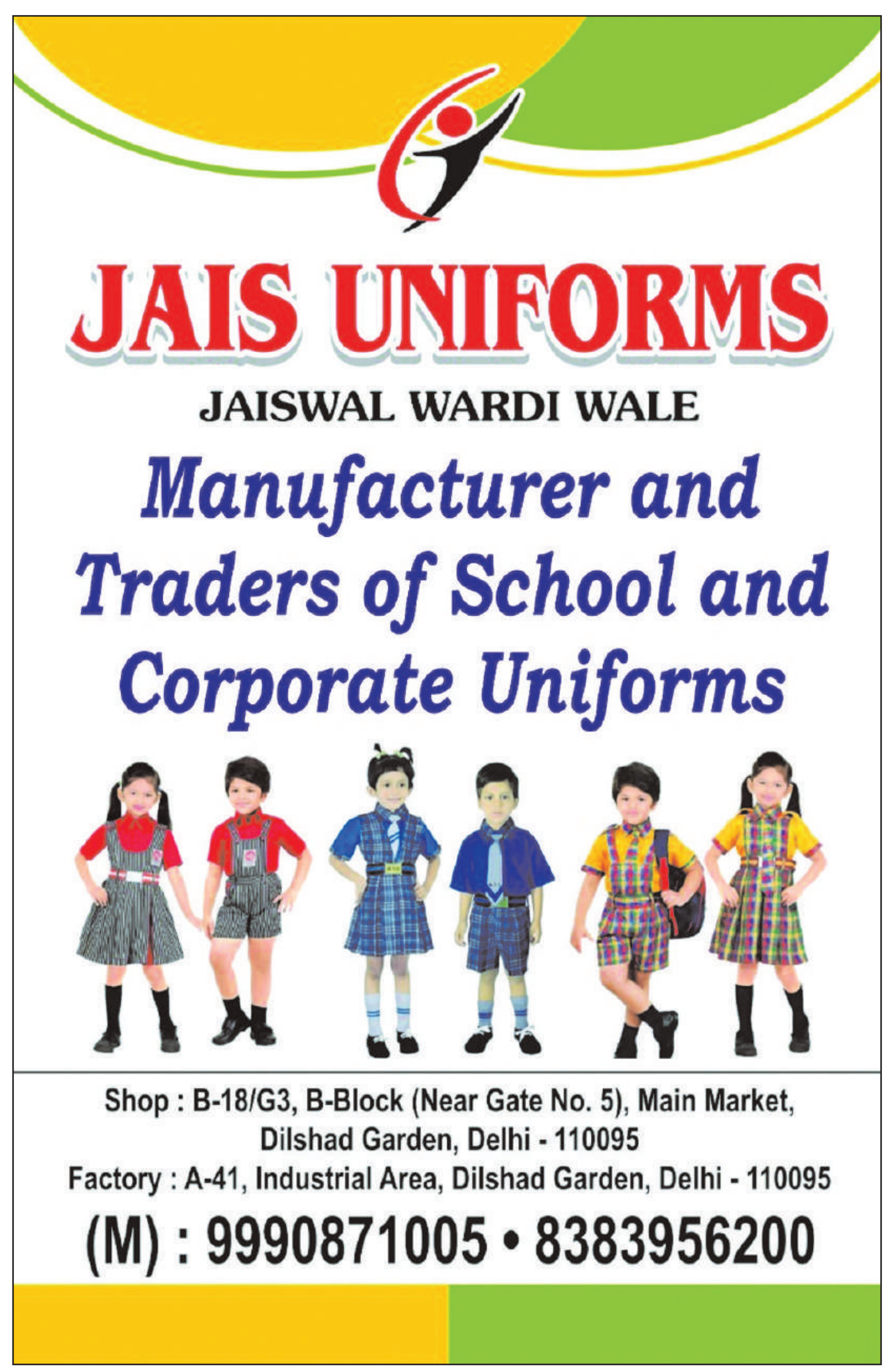

## सम्पादकीय

# लोगों की रोजी-रोटी का जरिया हुआ साकार

**अपने** यहां कहा जाता है, 'जिसने जन्म दिया वही रोटी का भी इंतजाम करेगा'। यह ऊपरवाले पर मुकम्मल भरोसे के साथ इस बात की ओर भी संकेत करता है कि अगर अपने इष्टदेवों से जुड़े स्थलों को सजा सवार दिया जाय। वहां आने वाले पर्यटकों की सुरक्षा एवं सुविधा के मद्देनजर बुनियादी सुविधाएं विकसित कर दी जाएं तो वहां भारी संख्या में रोजी रोजगार के अवसर स्थानीय और आसपास के लोगों को उपलब्ध होते हैं। यह राम को रोटी को जोड़ने जैसा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे सच साबित कर दिया। आज शिव की अविनाशी काशी और राम की अयोध्या पर्यटकों की आमद के मद्देनजर यहां के लाखों लोगों की रोजी-रोटी का जरिया बन गए हैं। कमोबेश यही स्थिति अन्य तीर्थ स्थलों की भी है। तीरथराज प्रयाग में आयोजित महाकुंभ में तो इसका चरमोत्कर्ष दिखा। सरकार का अनुमान था कि करीब डेढ़ महीने तक चलने वाले विश्व के इस सबसे बड़े धार्मिक समागम में करीब 35 से 40 करोड़ श्रद्धालु एवं पर्यटक शामिल होंगे, पर शामिल हुए 66 करोड़ से अधिक लोग। इनमें से बहुतों की मंजिल सिर्फ प्रयागराज ही नहीं, काशी, अयोध्या, वनगमन के दौरान जहां भाई लक्ष्मण और पत्नी सीता सहित राम को निषादराज ने जहां उनको गंगा पार कराया था वह श्रृंगवेरपुर और वनगमन के दौरान राम ने मंदाकिनी के तट पर जिस चित्रकूट में सर्वाधिक समय गुजारा था, वह भी थी। कई लोगों ने विंध्याचल स्थित मां जगदंबा के दरबार में भी हाजिरी लगाई। अब एक पर्यटक ने औसतन इस दौरान कितना खर्च किया। इस खर्च का कितना कितना लाभ इस सेक्टर्स से जुड़े स्टेकहोल्डर्स और स्थानीय लोगों को मिला। केंद्र और राज्य सरकार के हिस्से में प्रयागराज के महाकुंभ और काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर और राममंदिर एवं अयोध्या के कायाकल्प पर हुए खर्च की तुलना में कितना लाभ हुआ, यह अर्थशास्त्र के जानकारों के लिए अनुमान विषय है। पर, यह निर्विवाद सच है कि पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं की बढ़ती आमद से लाभ में सब रहे। साथ ही इसने उत्तर प्रदेश के लिए संभावनाओं का एक नया और बड़ा दरवाजा खोल दिया। क्योंकि, बहुसंख्यक समाज के रोम रोम में बसने वाले राम की अयोध्या, तीनों लोकों से न्यारी शिव की काशी और राधा कृष्ण की जन्म भूमि, ग्वाल बालों और गोपियों के साथ लीला के स्थल ब्रज उत्तर प्रदेश में है। इन सभी जगहों की संभावनाओं के मद्देनजर योगी सरकार यहां आने वालों की सुरक्षा और सुविधा के लिहाज से लगातार काम भी कर रही है। इसका नतीजा है कि पर्यटकों की आमद के हिसाब से उत्तर प्रदेश लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा है। 2022 से ही घरेलू पर्यटकों के लिहाज से उत्तर प्रदेश देश में नंबर एक पर बना हुआ है। सरकार के आंकड़ों पर गौर करें तो 2017 में उत्तर प्रदेश में आने वाले पर्यटकों की संख्या मात्र 24 करोड़ थी, जो 2024 में बढ़कर 65 करोड़ हो गई। आठ वर्षों में 41 करोड़ की यह वृद्धि खुद में अभूतपूर्व है। स्वाभाविक है कि महाकुंभ के नाते 2025 एक नया रिकॉर्ड रचेगा। यह संख्या एक अरब का ऊपर तक जा सकती है। पंजाब, हरियाणा और दिल्ली चैंबर ऑफ कॉमर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में 60 फीसद से अधिक घेरलू यात्राएं धार्मिक स्थलों की होती हैं। धार्मिक पर्यटन आर्थिक उन्नति और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए ऐसी सभी जगहों को बेहतरीन बुनियादी सुविधाओं, सड़क और एयर कनेक्टिविटी, आने वालों की सुरक्षा और सेवा देनी होती है। यह सारा काम उत्तर प्रदेश सरकार पूरी संजीदगी से कर रही है। यह सब यूं ही नहीं हुआ। इसकी पृष्ठभूमि मार्च 2017 में जब योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री बने तभी से शुरू हो गई थी। तब अयोध्या जाना तो दूर की बात, कोई नेता अयोध्या का नाम तक नहीं लेना चाहता था उस अयोध्या में वह बार बार गए। हर बार उन्होंने अयोध्या को विकास की बड़ी सौगात दी। दीपावली के एक दिन पूर्व भव्य दीपोत्सव आयोजन कराया। इससे एक बार फिर देश-दुनिया में राम को मानने वालों का ध्यान अयोध्या की ओर गया। राम मंदिर के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने और मंदिर का शिलान्यास होने के बाद तो केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी सरकार ने अयोध्या के कायाकल्प के लिए खजाने का मुंह खोल दिया। मुख्यमंत्री की मंशा अयोध्या की दुनिया की सबसे खूबसूरत पर्यटन नगरी बनाने की है। इसे वे कई बार सार्वजनिक मंचों से भी कह चुके हैं। उसी मंशा के अनुरूप अयोध्या में लगातार काम भी हो रहे है। काशी, प्रयाग, ब्रज क्षेत्र पर भी उनका इसी तरह फोकस है। उल्लेखनीय है कि राम और रोटी का रिश्ता अटूट है। दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। राम मंदिर आंदोलन को धार देकर भाजपा ने इसे सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का सबसे प्रमुख एजेंडा बनाया। करीब 500 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद जब राम मंदिर आंदोलन के बारे में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया और अयोध्या में राम जन्मभूमि पर रामलला के भव्य मंदिर का निर्माण शुरू हुआ तो केंद्र और उत्तर प्रदेश में भाजपा ही सत्ता में रही। सोने पर सुहागा यह कि इस समय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री गोरखपुर स्थित गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ थे। यह वह पीठ है जिसका राम मंदिर आंदोलन से वास्ता करीब 100 वर्षों का है। योगी के दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ, गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ और खुद योगी आदित्यनाथ राम मंदिर आंदोलन के हर महत्वपूर्ण घटना के समय मौजूद रहे। ऐसे में जनमानस के मन में यह बैठ गया है कि अयोध्या में श्रीराम को फिर से पुनर्स्थापित करने का काम भाजपा ने किया। इस काम में गोरक्षपीठ की अहम भूमिका रही। बतौर पीठ के पीठाधीश्वर एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ न केवल इस कसौटी पर खरे उतरे, बल्कि काशी, मथुरा, प्रयागराज सहित अन्य धार्मिक स्थलों के नियोजित विकास से अपने पद एवं दायित्व के अनुसार उसे विस्तार भी दिया। यह सिलसिला अभी जारी है।

## संजना भारती दैनिक

**भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।**

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

**RNI No. : DELHIN/2016/70240**

**Phone No.: 9871221635**

**E-mail ID:** sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

# 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' -मोदी सरकार की लोकतांत्रिक क्रांति की दिशा में एक निर्णायक कदम

> 'डॉ. अंबेडकर ने संविधान सभा में स्पष्ट रूप से कहा था कि लोकतंत्र तभी फल-फूल सकता है जब शासन व्यवस्था में निरंतरता और स्थायित्व हो। बार-बार चुनावों से उत्पन्न होने वाली अस्थिरता उस लोकतांत्रिक मूल भावना के प्रतिकूल है, जिसे अंबेडकर जी ने हमारे संविधान में अंतर्निहित किया'

**-श्री कपिल मिश्रा**

**परिचयः** भारत, दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र, लगभग हर कुछ महीनों में किसी न किसी राज्य या केंद्र स्तर के चुनाव में व्यस्त रहता है। इस लगातार चुनावी चक्र के कारण शासन प्रक्रिया बाधित होती है, विकास योजनाएं रुक जाती हैं, प्रशासनिक मशीनरी थम जाती है और जनता का करोड़ों रुपये खर्च होता है।

ऐसे में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की अवधारणा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक मजबूत राजनीतिक और प्रशासनिक सुधार के रूप में उभर कर सामने आई है। यह विचार भारत के लोकतंत्र को अधिक प्रभावशाली, सुचारू और समावेशी बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है।

**1. क्या है 'एक राष्ट्र, एक चुनाव'?**

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का अर्थ है कि लोकसभा और सभी राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ, एक ही समय पर कराए जाएं। इससे देश हर समय चुनावी मोड में रहने की बजाय स्थिरता की दिशा में बढ़ेगा और शासन पर ज्यादा ध्यान केंद्रित किया जा सकेगा।

**2. क्यों जरूरी है एक साथ चुनाव?**

**क. लगातार चुनावों से बाधित होता है शासन**

बार-बार चुनाव होने से आदर्श आचार संहिता (Model Code of Conduct) लागू हो जाती है, जिससे विकास कार्यों पर रोक लग जाती है और प्रशासनिक निर्णय टल जाते हैं।

**ख. चुनावों पर होने वाला खर्च**

2019 के आम चुनावों में सरकार और पार्टियों का कुल खर्च करीब रु60,000 करोड़ से अधिक रहा। एक साथ चुनाव होने से यह खर्च काफी हद तक कम हो सकता है।

**ग. सुरक्षा बलों पर दबाव**

हर चुनाव में बड़ी संख्या में अर्धसैनिक बलों की तैनाती करनी पड़ती है। इससे उनकी क्षमता और मनोबल पर असर पड़ता है।

**घ. राजनीतिक ध्रुवीकरण और लोकलुभावन घोषणाएं**

लगातार चुनावी माहौल से नेता अल्पकालिक वादों और घोषणाओं पर केंद्रित रहते हैं, जिससे दीर्घकालिक नीति निर्माण बाधित होता है।

**3. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीः 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के प्रमुख प्रवर्तक**

**क. 2014 से लगातार इस विचार को बढ़ावा**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में सत्ता में आने के बाद से ही बार-बार इस विचार को सामने रखा है। चाहे वह संसद हो, नीति आयोग की बैठक हो या सार्वजनिक मंच, उन्होंने इस मुद्दे को एक राष्ट्रीय एजेंडा के रूप में प्रस्तुत किया।

**ख. रामनाथ कोविंद समिति का गठन**

2023 में मोदी सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति गठित की, जिसने एक साथ चुनाव की व्यवहारिकता और संवैधानिक ढांचे का अध्ययन किया। यह कदम दशार्ता है कि मोदी सरकार इस विचार को लागू करने के प्रति गंभीर और प्रतिबद्ध है।

**ग. गवर्नेंस और विकास से जोड़ना**

प्रधानमंत्री मोदी ने इसे 'ease of living' यानी जीवन को आसान बनाने से जोड़ा है। उनका कहना है कि जब सरकारें लगातार चुनावों से मुक्त होंगी, तो वे अधिक दृढ़ता से नीति निर्माण और विकास कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर पाएंगी।

**घ. वृहद लोकतांत्रिक सुधार के भाग के रूप में देखना**

पीएम मोदी एक राष्ट्र, एक चुनाव को डिजिटल इंडिया, चुनाव सुधार, सहकारी संघवाद और पारदर्शिता जैसे बड़े सुधारों की श्रृंखला का हिस्सा मानते हैं। उनके नेतृत्व में यह विचार मात्र प्रशासनिक नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक सुदृढ़ीकरण की दिशा में उठाया गया साहसी कदम है।

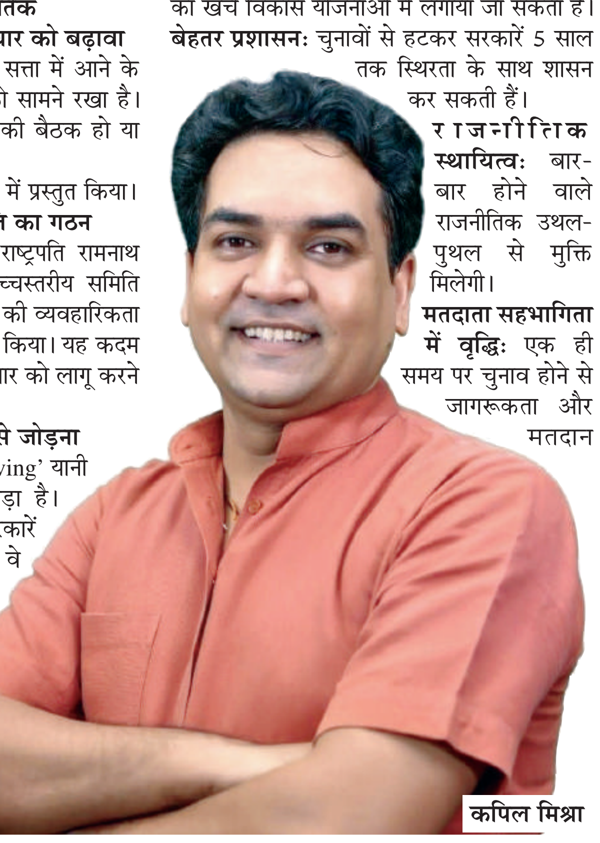

कपिल मिश्रा

**4. 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के लाभ**

**वित्तीय बचतः** चुनावों पर होने वाला हजारों करोड़ का खर्च विकास योजनाओं में लगाया जा सकता है।

**बेहतर प्रशासनः** चुनावों से हटकर सरकारें 5 साल तक स्थिरता के साथ शासन कर सकती हैं।

**राजनीतिक स्थायित्वः** बार-बार होने वाले राजनीतिक उथल-पुथल से मुक्ति मिलेगी।

**मतदाता सहभागिता में वृद्धिः** एक ही समय पर चुनाव होने से जागरूकता और मतदान प्रतिशत दोनों बढ़ सकते हैं।

**प्रशासनिक संसाधनों की बचतः** बार-बार चुनाव करवाने में जुटे कर्मचारियों और सुरक्षा बलों का दोहन रोका जा सकेगा।

**5. अंतरराष्ट्रीय उदाहरण**

**कई लोकतांत्रिक देश जैसेः दक्षिण अफ्रीका-** राष्ट्रीय और प्रांतीय चुनाव एक साथ कराता है।

**स्वीडन और बेल्जियम-**केंद्र और राज्य चुनाव एक ही समय पर कराते हैं।

भारत में भी 1951 से 1967 तक एक साथ चुनाव होते थे, लेकिन राजनीतिक अस्थिरता के कारण यह क्रम टूट गया।

**6. चुनौतियां और समाधान**

**संवैधानिक संशोधन की आवश्यकता (अनुच्छेद 83, 85, 172, 174 आदि)**-इसके लिए राजनीतिक सहमति आवश्यक है।

**राज्यों की स्वायत्तता की रक्षा**-राज्य सरकारों की अवधि को संविधान में सुरक्षित रखा जा सकता है।

**क्रमिक कार्यान्वयन**-पहले कुछ राज्यों को एक साथ चुनाव में लाना, फिर पूरे देश में लागू करना।

प्रधानमंत्री मोदी बार-बार सर्वदलीय सहमति की बात करते हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वे इस मुद्दे को किसी पार्टी की विचारधारा से ऊपर उठाकर राष्ट्रहित में देख रहे हैं

**7. डॉ. भीमराव अंबेडकर के स्वप्नों का साकार रूप**

**'एक राष्ट्र, एक चुनाव' केवल एक प्रशासनिक या चुनावी सुधार नहीं है**-यह हमारे संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर के उस दर्शन की दिशा में एक ठोस कदम है, जिसमें उन्होंने एक सशक्त, स्थिर और समावेशी लोकतंत्र की परिकल्पना की थी।

**क. स्थायित्वपूर्ण शासन, जैसा कि बाबा साहेब ने परिकल्पित किया था**

डॉ. अंबेडकर ने संविधान सभा में स्पष्ट रूप से कहा था कि लोकतंत्र तभी फल-फूल सकता है जब शासन व्यवस्था में निरंतरता और स्थायित्व हो। बार-बार चुनावों से उत्पन्न होने वाली अस्थिरता उस लोकतांत्रिक मूल भावना के प्रतिकूल है, जिसे अंबेडकर जी ने हमारे संविधान में अंतर्निहित किया।

**ख. विकास का समान अवसर**

**बाबा साहेब का सपना था एक ऐसा भारत जहां हर वर्ग-**विशेषकर दलित, वंचित, गरीब और पिछड़े-को सम्यक और समान विकास के अवसर मिलें। बार-बार चुनावों के कारण जो विकास योजनाएं अधूरी रह जाती हैं, 'एक साथ चुनाव' व्यवस्था से वे निरंतर गति से आगे बढ़ेंगी, जिससे अंतिम पंक्ति के नागरिक तक शासन की योजनाओं का लाभ सुगमता से पहुंचेगा।

**ग. प्रशासनिक जवाबदेही और समावेशी शासन**

डॉ. अंबेडकर ने प्रशासनिक जवाबदेही और 'constitutional morality' पर विशेष बल दिया था। जब सरकारें पांच वर्षों तक बिना चुनावी व्यवधानों के कार्य करेंगी, तब वे जवाबदेही, पारदर्शिता और संवैधानिक मूल्यों पर और अधिक केंद्रित रह सकेंगी।

**घ. लोकतांत्रिक शक्ति का विकेन्द्रीकरण**

जब देश एक साथ चुनावों में सहभागी होगा, तो यह लोकतांत्रिक सशक्तिकरण का पर्व बनेगा, जिसमें हर नागरिक की भूमिका निर्णायक होगी-यह वही आत्मनिर्भर लोकतंत्र है जिसकी नींव बाबा साहेब ने रखी थी।

**8. निष्कर्षः** 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' न केवल एक तकनीकी या व्यवस्थात्मक परिवर्तन है, बल्कि यह भारतीय लोकतंत्र की आत्मा को सशक्त बनाने का प्रयास है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में यह पहल उस लोकतांत्रिक दर्शन की पुनर्पुष्टि है, जिसकी आधारशिला डॉ. भीमराव अंबेडकर ने रखी थी।

आज जब भारत अमृत काल की ओर अग्रसर है, तब यह आवश्यक है कि हम अंबेडकर जी के संविधानिक विजन को साकार करें-एक ऐसा भारत जहां स्थिरता हो, समावेश हो, और समान अवसर हों। 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' उस दिशा में एक ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी कदम है।

**-लेखक, दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं।**

# वर्तमान वैश्विक पटल पर भारत के लिए आपदा में अवसर हैं

> आज जापान, इजराईल, ताईवान, रूस, जर्मनी, फ्रान्स, आस्ट्रेलिया आदि विकसित देश श्रमबल की कमी से जूझ रहे हैं। कई विकसित देशों में जनसंख्या वृद्धि दर लगभग शून्य के स्तर पर आ गई है। बल्कि, कुछ देशों में तो जनसंख्या में कमी होती हुई दिखाई दे रही है। दूसरे, इन देशों में प्रौढ़ नागरिकों की संख्या बड़ी तेजी से बढ़ती जा रही है और इन प्रौढ़ नागरिकों की देखभाल के लिए भी युवा नागरिकों की आवश्यकता है

**-प्रहलाद सबनानी**

**अमेरिका** ने अन्य देशों से अमेरिका में होने वाली आयातित उत्पादों पर भारी भरकम टैरिफ लगाकर विश्व के लगभग समस्त देशों के विरुद्द एक तरह से व्यापार युद्ध छेड़ दिया है। इससे यह आभास हो रहा है आगे आने वाले समय में विभिन्न देशों के बीच सापेक्ष युद्ध न होकर व्यापार युद्ध होने लगेगा। चीन से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर तो अमेरिका ने 145 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया है। एक तरह से अमेरिका की ओर से चीन को यह खुली चुनौती है कि अब अपने उत्पादों को अमेरिका में निर्यात कर के बताए। 145 प्रतिशत के आयात कर पर कौन सा देश अमेरिका को अपने उत्पादों का निर्यात कर पाएगा, यह लगभग असम्भव है। इससे चीन की अर्थव्यस्था छिन्न भिन्न हो सकती है, यदि चीन, अमेरिका के स्थान पर विश्व के अन्य देशों को अपने उत्पादों का निर्यात नहीं बढ़ा पाया। बगैर प्रत्यक्ष युद्ध किए, अमेरिका ने चीन पर एक तरह से विजय ही प्राप्त कर ली है और चीन की अर्थव्यवस्था को भारी नुक्सान करने के रास्ते खोल दिए हैं, हालांकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था भी विपरीत रूप से प्रभावित हुए बिना नहीं रहेगी। परंतु, ट्रम्प प्रशासन ने विश्व के 75 देशों पर लागू किए गए टैरिफ को 90 दिनों के लिए स्थगित कर दिया है। इससे अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर अन्यथा होने वाले विपरीत प्रभाव को बहुत बड़ी हद्द तक कम कर लिए गया है। अमेरिका संभवत चाहता है कि आर्थिक मोर्चे पर चीन पर इतना दबाव बढ़ाया जाए कि चीन की जनता चीन के वर्तमान सत्ताधरियों के विरुद्ध उठ खड़ी हो और चीन एक तरह से टूट जाए। अमेरिका ने लगभग इसी प्रकार का दबाव बनाकर सोवियत रूस को भी तोड़ दिया था। कुल मिलाकर पूरे विश्व में विभिन्न देशों के बीच अब नए समीकरण बनते हुए दिखाई दे रहे हैं। यूरोपीयन यूनियन के समस्त सदस्य देश आपस में मिलकर अब अपनी सुरक्षा स्वयं करना चाहते हैं। अभी तक ये देश अमेरिका के सखा देश होने के चलते अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिका पर निर्भर रहते थे। परंतु, वैश्विक स्तर पर बदली हुई परिस्थितियों के बीच इन देशों का अमेरिका पर विश्वास कम हुआ है एवं यह देश आपस में मिलकर अपनी स्वयं की सुरक्षा व्यवस्था खड़ी करना चाहते हैं। आगे आने वाले समय में यूरोपीयन यूनियन के समस्त देश अपने सुरक्षा बजट में भारी भरकम वृद्धि कर सकते हैं। यहां, भारत के लिए अवसर निर्मित हो सकते हैं क्योंकि भारत में हाल ही के समय में सुरक्षा के क्षेत्र में उत्पादों की नई एवं भारी मात्रा में उत्पादन क्षमता निर्मित हुई है। भारत आज सुरक्षा के क्षेत्र में तेजी से न केवल आत्म निर्भर हो रहा है बल्कि भारी मात्रा में उत्पादों का निर्यात भी करने लगा है। आज सिंगापुर जैसे विकसित देश भी भारत से सुरक्षा उत्पाद खरीदने हेतु करार करने की ओर आगे बढ़ रहे हैं। यदि यूरोपीयन देशों के साथ भारत की पटरी ठीक बैठ जाती है तो सुरक्षा के क्षेत्र में भारत के लिए अपार सम्भावनाएं मौजूद है। भारत, यूरोपीयन देशों के साथ सामूहिक तौर पर द्विपक्षीय व्यापार समझौता करने के प्रयास भी कर रहा है। इसी प्रकार, आगे आने वाले समय में यदि चीन के निर्यात अमेरिका को कम होते हैं तो चीन से विनिर्माण इकाईयों का पलायन तेजी से प्रारम्भ होगा। संभवत इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र, टेक्स्टायल क्षेत्र, फार्मा क्षेत्र, सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र, प्रेशस मेटल के क्षेत्र में भारत के लिए अपार सम्भावनाएं बनती हुई दिखाई दे रही है, क्योंकि, उक्त समस्त क्षेत्रों से चीन, अमेरिका को भारी मात्रा में निर्यात करता है। अब 145 प्रतिशत के टैरिफ की दर पर चीन में निर्मित उत्पाद अमेरिका में नहीं बिक पाएंगे। अतः भारत के लिए इन समस्त क्षेत्रों में अपार सम्भावनाएं बनती हुई दिखाई दे रही हैं। टेक्स्टायल के क्षेत्र में तो वर्तमान में भारत के पास बहुत भारी मात्रा में उत्पादन क्षमता भी उपलब्ध है। टेक्स्टायल के क्षेत्र में भारत के पड़ौसी देश ही अधिक प्रतिस्पर्धी बने हुए हैं, जैसे बंगलादेश, पाकिस्तान, चीन, वियतनाम आदि। इस समस्त देशों पर अमेरिका द्वारा लगाई गई टैरिफ की दर, भारत की तुलना में कहीं अधिक है। अतः टेक्स्टायल के क्षेत्र में भारत में निर्मित विभिन्न उत्पाद तुलनात्मक रूप से अधिक प्रतिस्पर्धी बन गए हैं। इसका सीधा सीधा लाभ भारतीय टेक्स्टायल उद्योग द्वारा उठाया जा सकता है। इसी प्रकार, मोबाइल फोन का उत्पादन करने वाली विश्व की सबसे बड़ी कम्पनियों में से सैमसंग एवं ऐपल नामक कम्पनियां भारत में अपनी उत्पादन क्षमता में भारी भरकम वृद्धि करने के बारे में विचार कर रही हैं। वर्ष 2024 में भारत से 2040 करोड़ अमेरिकी डॉलर के मोबाइल फोन का निर्यात विभिन्न देशों को हुआ हैं, यह वर्ष 2023 में हुए निर्यात की राशि से 44 प्रतिशत अधिक है। और, मोबाइल फोन के निर्यात में हुई इस भारी भरकम वृद्धि में ऐपल एवं सैमसंग कम्पनियों का योगदान सबसे अधिक रहा है। केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई उत्पादन प्रोत्साहन योजना का लाभ भी भारत में मोबाइल निमार्ता कम्पनियों ने भारी मात्रा में उठाया है। भारत आज स्मार्ट मोबाइल के उत्पादन के क्षेत्र में पूरे विश्व में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। यदि वैश्विक स्तर पर परिस्थितियां इसी प्रकार बनी रहती हैं तो शीघ्र ही भारत मोबाइल उत्पादन के क्षेत्र में पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ जाएगा।

अन्य क्षेत्रों में उत्पादन करने वाली बहुराष्ट्रीय बड़ी बड़ी कम्पनियां भी अपनी विनिर्माण इकाईयों को चीन से स्थानांतरित कर भारत में स्थापित कर सकती हैं। कोविड महामारी के खंडकाल के समय भी यह उम्मीद की जा रही थी और चीन+1 नीति का अनुपालन करने के सम्बंध में कई कम्पनियों ने घोषणा की थी परंतु उस समय पर कई कम्पनियां अपनी विनिर्माण इकाईयों को ताईवान, वियतनाम, एवं थाईलैंड, आदि जैसे छोटे छोटे देशों में ले गईं थी और इसका लाभ भारत को बहुत कम मिला था। परंतु, आज परिस्थितियां बहुत बदली हुई हैं। छोटे छोटे देशों में बहुत भारी मात्रा में उत्पादन करने वाली विनिर्माण इकाईयां स्थापित करने की बहुत सीमाएं हैं। इन देशों में श्रमबल की उपलब्धता सीमित मात्रा में है। जबकि भारत में इस दौरान आधारिक संरचना एवं मूलभूत सुविधाओं में अतुलनीय सुधार हुआ है और भारत में श्रमबल भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

आज जापान, इजराईल, ताईवान, रूस, जर्मनी, फ्रान्स, आस्ट्रेलिया आदि विकसित देश श्रमबल की कमी से जूझ रहे हैं। कई विकसित देशों में जनसंख्या वृद्धि दर लगभग शून्य के स्तर पर आ गई है। बल्कि, कुछ देशों में तो जनसंख्या में कमी होती हुई दिखाई दे रही है। दूसरे, इन देशों में प्रौढ़ नागरिकों की संख्या बड़ी तेजी से बढ़ती जा रही है और इन प्रौढ़ नागरिकों की देखभाल के लिए भी युवा नागरिकों की आवश्यकता है। अब कुछ देशों जैसे जापान, इजराईल, ताईवान आदि ने भारत सरकार से भारतीय नागरिकों के इन देशों में बसाने के बारे में विचार करने को कहा है। इजराईल सरकार ने लगभग 1 लाख भारतीयों की मांग भारत सरकार से की है, जापान सरकार ने भी लगभग 2 लाख भारतीयों की मांग की है एवं ताईवान सरकार ने भी लगभग 1 लाख भारतीयों की मांग की है। भारत आज विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे युवा देश है। अतः भारत आज इस स्थिति में है कि अपने नागरिकों को इन देशों में बसाने के लिए भेज सके। वैसे भी विश्व के कई देशों में आज लगभग 4 करोड़ भारतीय मूल के नागरिक निवास कर रहे हैं एवं इन देशों की अर्थव्यवथा में शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मजबूत भागीदारी सुनिश्चित कर रहे हैं। भारतीय नागरिक वैसे भी हिंदू सनातन संस्कृति का अनुपालन करते हैं एवं इन देशों में शांतिपूर्ण तरीके से जीवन यापन करते हैं।

## खेल/विदेश/कारोबार

# अमेरिका-यूरोप-चीन को ट्रेड वॉर के बीच जयशंकर ने दिखाया आईना

**(एजेन्सी)।**

**अमेरिकी** नीति में गहन परिवर्तनों का एक उदाहरण न्यूनिक सुरक्षा परिषद सुरक्षा सम्मेलन में उपराष्ट्रपति का भाषण रहा है। वास्तव में मेरे विचार से उससे पहले भी एक बहुत ही प्रभावशाली भाषण था। जिसे शायद उतना ध्यान नहीं मिला। जो पेरिस में एआई एक्शन समिट में था। जो म्यूनिख से कुछ दिन पहले था। तो संयुक्त राज्य अमेरिका में परिवर्तन, जिससे आप सभी परिचित हैं। तो मुझे लगता है कि पिछले वर्ष में एक बड़ा बदलाव है। लेकिन दूसरा बदलाव है और वो एक विकास है जिसे आप कह सकते हैं कि ये कुछ ऐसा है जो दिखाई देता है, भले ही ये अधिक नाटकीय घटनाओं के बजाए एक खुलासा न हो और वो चीन की उन्नति है। तो ये निश्चति रूप से व्यापार के संबंध में हुआ है। हमने व्यापार की कहानी के रूप में कई तरीकों से जो देखा वो तकनीक की कहानी भी रही है।

जयशंकर ने कहा कि भारत के साथ संभावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर रखे गए प्रस्ताव पर ट्रंप प्रशासन ने तेजी से प्रतिक्रिया दी है। जयशंकर ने यहां आयोजित वैश्विक प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन के एक संवाद सत्र में कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका ने दुनिया के साथ जुड़ने के अपने दृष्टिकोण को मौलिक रूप से बदल दिया है और इसका प्रत्येक प्रमुख क्षेत्रों, खासकर प्रौद्योगिकी क्षेत्र में असर है।

जयशंकर की टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब शुल्क पर ट्रंप की नीति ने बड़े पैमाने पर व्यापार व्यवधानों और वैश्विक आर्थिक मंदी की आशंकाओं को जन्म दिया है। ट्रंप ने चीन को छोड़कर सभी देशों पर शुल्क लगाने के अपने फैसले को 90 दिनों के लिए टालने की घोषणा कर दी है। इससे व्यापार गतिरोध में तात्कालिक राहत मिलने की उम्मीद है।

जयशंकर ने अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते पर बातचीत का कोई ब्योरा न देते हुए संकेत दिया कि भारत इसे जल्द-से-जल्द तार्किक निष्कर्ष पर पहुंचाने को उत्सुक है। जयशंकर ने अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते पर बातचीत का कोई ब्योरा न देते हुए संकेत दिया कि भारत इसे जल्द-से-जल्द तार्किक निष्कर्ष पर पहुंचाने को उत्सुक है।

# गूगल ने एंड्रॉयड, पिक्सल और क्रोम टीमों से सैकड़ों लोगों को निकाला: रिपोर्ट

**(एजेन्सी)।**

**टेक्नोलॉजी** दिग्गज गूगल ने बड़ा कदम उठाया है। गूगल ने अपने प्लेटफॉर्म व डिवाइस विभाग से सैंकड़ों कर्मचारियों को नौकरी से निकाला है। जिन विभागों से कर्मचारियों को नौकरी से निकाला गया है उसमें एंड्रॉयड सॉफ्टवेयर, पिक्सल स्मार्टफोन और क्रोम ब्राउजर के कर्मचारी शामिल है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब कंपनी ने हाल ही में अपने श्रमिकों को स्वैच्छिक खरीद की पेशकश की थी, जो संगठन में बड़े बदलावों की ओर इशारा करती है। यह बदलाव कंपनी की रणनीति और भविष्य की योजनाओं को दशार्ता है।

बता दें कि ये घटना ऐसे समय में हुई है जब कुछ महीनों पहले ही कंपनी ने जनवरी में इस इकाई के श्रमिकों को स्वैच्छिक खरीद की पेशकश की थी, जो संगठन के भीतर चल रहे संरचनात्मक परिवर्तनों का संकेत था। द इन्फॉर्मेशन के अनुसार, गूगल के प्रवक्ता ने कहा है कि छंटनी कंपनी को अधिक कुशल और लचीला बनाने के प्रयासों का हिस्सा है। यह बदलाव कंपनी को बेहतर ढंग से काम करने में मदद करने के लिए किया जा रहा है। यह बदलाव पिछले साल प्लेटफॉर्म और डिवाइस टीमों को मिलाने के बाद किया गया है, जिसका उद्देश्य काम को अधिक सुव्यवस्थित और कुशल बनाना है। रिपोर्ट की मानें तो इस प्रयास के जरिए पहले की गई स्वैच्छिक निकासी कार्यक्रम के अतिरिक्त कुछ नौकरियों में कटौती हुई है।

ये छंटनी कितने कर्मचारियों की हुई है इसकी सटीक संख्या सामने नहीं आई है। यह कदम गूगल में लागत नियंत्रण और परिचालन को सुव्यवस्थित करने की बड़ी योजना को दशार्ता है। किसी अन्य कंपनी की तरह गूगल भी बदलती हुई व्यावसायिक जरूरतों और आर्थिक ताकतों के दबाव वाले फोकस को पूरा करने के लिए कार्यबल में बदलाव कर रहा है। बदलाव का ये तरीका तेजी से काम करता है। वैश्विक कंपनियां वर्तमान में कई चुनौतियों का सामना कर रही है। इसमें तेजी से एआई को अपनाना और वित्तीय अनिश्चितताएं शामिल हैं।

# धोनी की कप्तानी में भी फ्लॉप रही चेन्नई सुपर किंग्स

**(एजेन्सी)।**

**शुक्रवार** को चेपॉक स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2025 मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को 8 विकेट से हरा दिया। टॉस गंवाकर चेन्नई सुपर किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट खोकर महज 103 रन ही बनाए। जिसके जवाब में केकेआर ने महज 10.1 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर मैच अपने नाम कर लिया। कोलकाता के लिए सुनील नरेन ने 44 रन बनाए। कोलकाता की ये तीसरी जीत है जबकि सीएसके ने लगातार पांच मुकाबले गंवा दिए हैं। वहीं 104 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी केकेआर की शुरूआत बेहतरीन रही। टीम को क्विंटन डी कॉक और सुनील नरेन ने मजबूती दी। इस दौरान क्विंटन डिकॉक ने 23 रन बनाए जबकि सुनील नरेन ने 18 गेंद में 44 रन की पारी खेली। वहीं केकेआर का पहला विकेट 5वें ओवर में डिकॉक के रूप में गिरा। इसके बाद कप्तान अजिंक्य रहाणे 17 गेंद में 20 रन बनाकर नाबाद रहे। रिंकू सिंह ने 12 गेंद में 15 रन बनाए। चेन्नई के लिए पहले बल्लेबाज और फिर गेंदबाज काम नहीं आए। इस दौरान सीएसके के लिए अंशुल और नूर ने 1-1 विकेट लिया।

इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स की शुरूआत अच्छी नहीं रही। 16 रन के स्कोर पर सीएसके को डेवोन कॉन्वे के रूप में पहला झटका लगा। इस दौरान कॉन्वे ने 12 रन बनाए। इसके बाद रचिन रविंद्र भी महज 4 रन बनाकर अपना विकेट गंवा बैठे। विजय शंकर ने 29 रन तो राहुल त्रिपाठी ने 22 गेंद में 16 रन बनाए। तो अश्विन ने सात गेंद में एक ही बना सके।

रविंद्र जडेजा और दीपक हुड्डा खाता भी नहीं खोल पाए तो एमएस धोनी भी 4 गेंद में एक रन बनाकर पवेलियन लौट गए। नूर ने एक रन बनाया। वहीं केकेआर के लिए सुनील नरेन ने 3, हर्षित-वरुण ने 2-2 विकेट झटके।

## अमीषा पटेल ने सिकंदर में सलमान और रश्मिका की उम्र के बड़े अंतर के बारे में बात की

अभिनेत्री अमीषा पटेल ने फिल्म सिकंदर में सलमान खान और रश्मिका मंदाना के बीच उम्र के बड़े अंतर पर अपने विचार साझा किए। बातचीत के दौरान अमीषा ने कहा, मेरी और सनी जी (सनी देओल) की उम्र में भी काफी अंतर है - 20 साल से ज्यादा, लेकिन जब फिल्म चल जाती है, तो सब कुछ माफ हो जाता है। याद दिला दें कि अमीषा ने सनी देओल के साथ दो बार गदर- एक प्रेम कथा और गदर 2 में काम किया है। ये दोनों ही फिल्में टिकट काउंटर पर काफी सफल रहीं। यहां यह बात ध्यान देने वाली है कि अमीषा और सनी की उम्र में 18 साल का अंतर है।
इस बीच, सिकंदर के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में बात करते हुए सलमान ने सुपरस्टार्स और छोटी अभिनेत्रियों के बीच उम्र के बड़े अंतर के बारे में बात की। फिल्म इंडस्ट्री में विकसित हो रहे बदलावों पर अपने विचार साझा करते हुए सलमान ने अपने खास अंदाज में कहा कि मेरे और हीरोइन के बीच 31 साल का अंतर है। हीरोइन को यह समस्या नहीं है। हीरोइन के पिता को यह समस्या नहीं है। इसके बाद, उन्होंने रश्मिका की ओर मुड़कर पूछा कि आपको यह समस्या नहीं है, है ना? बॉलीवुड में बुजुर्ग हीरो का अपनी उम्र से कम उम्र की हीरोइनों के साथ रोमांस करना कोई असामान्य बात नहीं है। एआर मुरुगादॉस के निर्देशन में बनी सिकंदर की बात करें तो यह एक्शन थ्रिलर 30 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और इसे मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। इतनी चर्चा के बावजूद सिकंदर बॉक्स ऑफिस पर असर नहीं छोड़ पाई। फिल्म में राजकोट के राजा संजय सिकंदर (सलमान) अपने बेटे की हत्या के बाद मंत्री राकेश प्रधान (सत्यराज) का निशाना बन जाते हैं। जब उनकी पत्नी के दान किए गए अंग तीन लोगों की जान बचाते हैं, तो राकेश बदला लेना चाहता है और संजय को उनकी रक्षा करने के लिए मजबूर करता है। सलमान और रश्मिका के साथ, नाटक के मुख्य कलाकारों में सत्यराज, काजल अग्रवाल, शरमन जोशी, प्रतीक बब्बर, किशोर, जतिन सरना और संजय कपूर सहित अन्य शामिल हैं।

# ट्रोलिंग से कैसे निपटती हैं सारा अली खान

**सैफ अली खान और अमृता सिंह की बेटी, बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान को सोशल मीडिया पर अपने अभिनय के लिए अक्सर आलोचना मिलती है। इसी मामले को लेकर सारा ने खुलकर बात की है। उन्होंने कहा है कि अब उन्हें ट्रोलिंग से परेशानी नहीं होती है बल्कि इमोशन से परेशानी होती है।**

### ट्रोलिंग से कैसे निपटती हैं सारा

हाल ही में सारा ने बताया कि वह ट्रोलिंग से निपटना सीख चुकी हैं। सारा ने कहा कि अब वह इन बातों को नजर अंदाज करना सीख गई हैं। इससे निपटने के लिए उन्हें मेडिटेशन से काफी मदद मिलती है।

### ट्रोलिंग को लेकर पहले क्या सोचती थीं सारा

सारा पहले सोचती थी कि ट्रोलर्स सही कह रहे हैं या नहीं, लेकिन अब वह इन बातों को छोड़ चुकी हैं। सारा ने कहा, मैं बस एक बात पर ध्यान देती हूं कि सारा सबसे अच्छी है न सारा सबसे खराब है। सारा बस सारा है, और मैं इसी पर फोकस करती हूं।

### मंदिरों में जाने पर क्यों ट्रोल करते हैं लोग

इस इंटरव्यू के दौरान सारा ने यह भी बताया कि हिंदू मंदिरों में जाने की वजह से लोग उन्हें ट्रोल करते हैं। इस पर उन्होंने कहा कि उनकी मां अमृता सिंह ने उन्हें बचपन से सिखाया कि खुद को धर्म या जाति से न देखें। जब सारा ने अपनी मां से पूछा कि मैं क्या हूं?, तो अमृता ने जवाब दिया, तुम भारतीय हो। सारा यह बात कभी नहीं भूलतीं।

### सारा का करियर

काम की बात करें तो सारा को फिल्म ऐ वतन मेरे वतन में स्वतंत्रता सेनानी उषा मेहता के किरदार में देखा गया था। इसके अलावा वह अक्षय कुमार के साथ स्काई फोर्स में भी नजर आईं। एक खबर के मुताबिक, सारा अभिनेता आयुष्मान खुराना के साथ एक जासूसी कॉमेडी फिल्म और सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में काम कर रही हैं। इसके अलावा, वह अनुराग बसु की फिल्म मेट्रो्इन डिनो में भी दिखाई देंगी।

# जल्द शादी के बंधन में बंधेंगे जैस्मिन और अली गोनी

टीवी जगत के चर्चित सितारे अली गोनी और जैस्मिन भसीन की लव स्टोरी किसी से छिपी नहीं है। दोस्ती से शुरू हुआ इनका रिश्ता बिग बॉस 14 में जाकर मोहब्बत की दहलीज तक जा पहुंचा। यहां दोनों ने एक-दूजे से प्यार का इजहार किया। लंबे वक्त से एक-दूसरे को डेट कर रहे कपल के प्रशंसकों को अब इनकी शादी का इंतजार है। यह इंतजार अब पूरा होने की घड़ी आ गई है, ऐसा दावा एक करीबी दोस्त ने किया है।

### इस साल हो जाएगी शादी

अली गोनी की करीबी दोस्त कृष्णा मुखर्जी ने हाल ही में अली और जैस्मिन की शादी को लेकर बड़ा खुलासा किया है। दरअसल, कृष्णा हाल ही में रश विद रुचि के पॉडकास्ट में नजर आईं, जहां उनसे अली और जैस्मीन की शादी के बारे में पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा, इस साल हो रही है, या फिर अगले साल हो रही है उनकी शादी, दोस्तों। कृष्णा ने आगे कहा, इस साल हो जाएगी, इस साल के आखिर तक हो जाएगी।

### कृष्णा और अली ने साथ किया है काम

अली की मुलाकात कृष्णा से हिट टेलीविजन धारावाहिक ये है मोहब्बतें के सेट पर हुई थी, जहां उन्होंने रोमेश रोमी भल्ला की भूमिका निभाई थी। वहीं, कृष्णा आलिया भल्ला के रूप में नजर आई थीं। बता दें कि अली और जैस्मिन ने कुछ दिनों पहले ही ये एलान किया कि वे लिवइन रिलेशनशिप में रहने वाले हैं। दोनों ने यह भी जिक्र किया कि वे अपने रिश्ते को आगे बढ़ा रहे हैं।

## 26 मार्च को 2026 रिलीज होगी राम चरण-जान्हवी की फिल्म पेडी

ग्लोबल स्टार राम चरण की फिल्म पेड्डी ने सोशल मीडिया पर अपने फर्स्ट-लुक से धमाल मचा दिया। फिल्म के निर्माता 6 अप्रैल, 2025 को राम नवमी के अवसर पर इसकी एक झलक दिखाने की तैयारी में हैं। लेकिन उससे पहले फिल्म की रिलीज डेट को लेकर नई जानकारी सामने आई है। उगादी के अवसर पर फिल्म 'पेड्डी' के निर्माताओं ने फिल्म का एक नया पोस्टर जारी किया था। साथ ही इसके पोस्टर में राम चरण एक लंबी छलांग लगाते नजर आए थे। इस पोस्टर के आने के बाद से ही प्रशंसकों के बीच इस फिल्म को लेकर उत्साह बढ़ गया है। पेड्डी के इस पोस्टर को जारी करने के साथ ही निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा था, पेड्डी फर्स्ट शॉट, फिल्म की पहली झलक 6 अप्रैल को राम नवमी के अवसर पर जारी की जाएगी। वहीं अब फिल्म की झलक से पहले इसकी रिलीज डेट को लेकर अक अहम जानकारी सामने आई है। एक खबर के मुताबिक, टीम पेड्डी की झलक के साथ फिल्म की रिलीज डेट भी बताई जा सकती है। जानकारी के अनुसार, यह फिल्म 26 मार्च, 2026 को रिलीज हो सकती है, लेकिन अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

# सामने आई धनुष स्टारर इडली कढ़ाई की रिलीज डेट

निर्देशक धनुष की बहुप्रतीक्षित एक्शन एंटरटेनर इडली कढ़ाई के निर्माताओं ने शुक्रवार को घोषणा की कि यह फिल्म इस साल 1 अक्टूबर को दुनिया भर में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। एक्स हैंडल पर फिल्म का निर्माण करने वाले प्रोडक्शन हाउस वंडरबार फिल्म्स ने लिखा, इंतजार खत्म हुआ! 1 अक्टूबर से दुनिया भर में बड़े पर्दे पर इडली कढ़ाई आ रही है! निर्माता आकाश भास्करन की डॉन पिक्चर्स वंडरबार फिल्म्स के साथ मिलकर फिल्म का निर्माण कर रही है। फिल्म के निर्माताओं ने पहले घोषणा की थी कि फिल्म इस साल 10 अप्रैल को दुनिया भर में स्क्रीन पर आएगी। हालांकि, उन्होंने रिलीज की तारीख की घोषणा किए बिना रिलीज को स्थगित करने का फैसला किया। इस घोषणा के बाद एक साक्षात्कार में आकाश भास्करन ने कहा कि फिल्म की रिलीज को स्थगित किया जा रहा है क्योंकि फिल्म का 10 प्रतिशत हिस्सा अभी भी शूट किया जाना बाकी है। उन्होंने बताया, हमें इसे विदेश में शूट करने की जरूरत है। यह एक कॉम्बिनेशन सीन है जिसमें नित्या मेनन, अरुण विजय, राजकिरण, पार्थिबन और सभी कलाकार होंगे। सभी कलाकार एक ही तारीख पर उपलब्ध नहीं थे और इसी वजह से हम इस सीन को शूट नहीं कर पाए। हम जल्दबाजी नहीं करना चाहते थे क्योंकि फिल्म वास्तव में अच्छी बनी है। यह कहते हुए कि यह हिस्सा जल्द ही पूरा हो जाएगा, आकाश भास्करन ने कहा था कि निर्माता जल्द ही फिल्म के लिए रिलीज की नई तारीख की घोषणा करेंगे। निर्माताओं ने 1 अक्टूबर को रिलीज की नई तारीख की घोषणा की है। सूत्रों का कहना है कि अरुण विजय फिल्म में खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं और धनुष और अरुण विजय के बीच आमना-सामना रोमांचक होगा। निर्माताओं ने यह भी पुष्टि की है कि शालिनी पांडे फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। 'इडली कढ़ाई' में धनुष और नित्या मेनन मुख्य भूमिका में हैं, जिसका निर्देशन धनुष खुद कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण धनुष की वंडरबार फिल्म्स और डॉन पिक्चर्स ने संयुक्त रूप से किया है।

# विदाउट प्रेजुडिस भारतीय शास्त्रीय संगीत के साथ गीत बनाने का मेरा पहला प्रयास

मशहूर गायक-रैपर गुरु रंधावा ने हाल ही में अपना पहला एल्बम विदाउट प्रेजुडिस लॉन्च किया है। रंधावा ने बताया कि विदाउट प्रेजुडिस भारतीय शास्त्रीय संगीत के साथ गीत बनाने का उनका पहला प्रयास है, जिसे लेकर वह रोमांचित हैं। उन्होंने वार्नर म्यूजिक इंडिया के साथ मिलकर भारतीय संगीत और ग्लोबल संगीत के बीच की खाई को पाटने का काम किया है। अपने एल्बम पर प्रकाश डालते हुए रंधावा ने कहा कि यह नए अंदाज में एक भारतीय गीत है और इसे हर कोई पसंद करेगा। नौ ट्रैक वाले एल्बम के बारे में उन्होंने बताया, इस बार मेरे गायन में बहुत कुछ नया है और यह कह सकते हैं कि मेरे गायन का प्रवाह बदल चुका है। गीत में इस्तेमाल होने वाले कंटेंट यूनिवर्सल है। यह एल्बम भारतीय शास्त्रीय संगीत के तत्वों के साथ गीत बनाने का मेरा पहला प्रयास है। रंधावा पिटबुल, द चेनस्मोकर्स और जे सीन जैसे कलाकारों के साथ काम कर चुके हैं। गायक ने इस बात पर जोर दिया कि अब देश के साथ ही विदेशों में भी भारतीय संगीत कलाकारों की संख्या बढ़ी है। उन्होंने बताया, अब अवसर और भी बढ़ चुके हैं और वे भारतीय संगीत के बारे में जानते हैं। वे इसकी सराहना करते हैं कि हमारे कलाकार दुनिया भर में छाए हुए हैं। इससे पहले रंधावा ने वार्नर म्यूजिक इंडिया के साथ काम करने के अपने उत्साह को व्यक्त करते हुए कहा, विदाउट प्रेजुडिस एल्बम न केवल मेरा, बल्कि उस दर्शक वर्ग के लिए भी खास है, जिसके साथ मैं जुड़ना चाहता हूं।
विदाउट प्रेजुडिस बाधाओं को तोड़ने और नए संगीत को अपनाने के बारे में है, जो मेरी जड़ों से जुड़े रहने के साथ दुनिया भर के संगीत को एक अलग अंदाज में पेश करता है। वार्नर म्यूजिक इंडिया के साथ इस यात्रा के माध्यम से मैं प्रशंसकों के लिए कुछ खास लाने को लेकर रोमांचित हूं। 'विदाउट प्रेजुडिस' साल 2023 के बाद से गुरु का पहला स्टूडियो एल्बम है। एल्बम में नौ शानदार ट्रैक हैं। इनमें 'स्नैपबैक', 'सिरा', 'न्यू एज', 'कताल', 'फॉम एजेंस', 'जानेमन', 'किथे वसदे ने', 'सरे कनेक्शन', 'गैलन बटन' है, जिसमें अफोपॉप और भारतीय पॉप का मिश्रण है। एल्बम का पहला सिंगल 28 मार्च को रिलीज हुआ। इस एल्बम में रंधावा, किरण बाजवा और प्रेम लता जैसे कलाकारों के साथ काम किया गया है।

## अब एटली की फिल्म में धूम मचाएंगे अल्लू अर्जुन? जल्द हो सकती है घोषणा

पुष्पा फेम अभिनेता अल्लू अर्जुन अब निर्देशक एटली के साथ फिल्म में काम करते नजर आ सकते हैं। आज शुक्रवार को अल्लू अर्जुन निर्देशक एटली के साथ बैठक करने चेन्नई पहुंचे। अभिनेता को हैदराबाद एयरपोर्ट पर देखा गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार सन पिक्चर्स इस अनाम फिल्म का निर्माण अकेले ही करेगी। एटली के साथ अल्लू अर्जुन की फिल्म की आधिकारिक घोषणा जल्द हो सकती है। हालांकि, एटली पहले सलमान खान के साथ एक फिल्म बनाने वाले थे, लेकिन बजट के कारण वह फिल्म टल गई थी। एटली ने बॉलीवुड में अपने निर्देशन करियर की शुरुआत शाहरुख खान अभिनीत फिल्म 'जवान' से किया था।

# प्रधानमंत्री मोदी प्रदेश को देंगे बड़े प्रोजेक्ट की सौगातः मनोहर लाल

## करनाल प्रवास पर पहुंचे केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल

**एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी**

**करनाल।** केंद्रीय बिजली, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल शुक्रवार को करनाल पहुंचे। यहां उन्होंने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 14 अप्रैल, 2025 को हरियाणा आ रहे हैं और प्रदेश के अनेक बड़े प्रोजेक्ट की सौगात देंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी हिसार और यमुनानगर आ रहे हैं। हिसार में वह पहले हिसार एयरपोर्ट की सौगात प्रदेशवासियों को देंगे। वहां से पहली फ्लाइट अयोध्या के लिए रवाना होगी। इसके अतिरिक्त भी जो फ्लाइट वहां से रवाना होनी है, उनकी रूपरेखा बनाई जा रही है।

हिसार का एयरपोर्ट हरियाणा का पहला अपना एयरपोर्ट होगा। केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी यमुनानगर में 800 मेगावाट का थर्मल प्लॉट का शिलान्यास होने जा रहा है। पहले से 600 मेगावाट के प्लॉट वहां लगे हुए हैं। नया प्लॉट 800 मेगावाट का लगेगा। इससे प्रदेश की बिजली सप्लाई और अच्छी होगी। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि वक्फ बिल संशोधन के बाद अब वक्फ बोर्ड की जमीनों पर किसी तरह का कोई झगड़ा नहीं होगा। पिछली जो जमीनें झगड़े में हैं, उनका निपटारा भी अब अच्छे से किया जा सकेगा। पहले वक्फ बोर्ड के फैसले के खिलाफ कोर्ट में अपील भी नहीं की जा सकती थी लेकिन अब संशोधन के बाद कोई भी व्यक्ति वक्फ बोर्ड के फैसले के खिलाफ कोर्ट जा सकता है। वक्फ बिल पर मुस्लिम समाज खुश है। समाज के हित में यह संशोधन हुआ है, जिससे समाज को ही लाभ मिलेगा।

इस मौके पर करनाल के इंद्री के विधायक रामकुमार कश्यप, नीलोखेड़ी के विधायक भगवानदास कबीरपंथी, विधायक जगमोहन आनंद, करनाल की मेयर रेनू बाला गुप्ता, पूर्व कार्यकारी जिलाध्यक्ष बृज गुप्ता, केंद्रीय मंत्री के प्रतिनिधि कविंद्र राणा, एचएसएससी के सदस्य कपिल अत्रेजा, करनाल के डीसी उत्तम सिंह, करनाल के एसपी गंगाराम पूनिया व अन्य वरिष्ठ जन मौजूद रहे।

# जीवन चानन महाविद्यालय में विस्तार व्याख्यान का किया आयोजन

**एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग**

**असन्ध।** जीवन चानन महिला महाविद्यालय में गणित विभाग की विभागाध्यक्ष केडी शर्मा के द्वारा एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्राचार्या डॉ. रेखा शर्मा की निर्देशन में किया गया।

इस विस्तार व्याख्यान के मुख्य वक्ता असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर संदीप कुमार गवर्नमेंट कॉलेज जींद से रहे। केडी शर्मा ने पौधा भेंट करके उनका स्वागत किया। उन्होंने छात्राओं को बताया की गणित हमारे जीवन का एक अत्यंत आवश्यक और उपयोगी विषय है। यह न केवल वैज्ञानिक और तकनीकी क्षेत्रों की आधारशिला है, बल्कि हमारे दैनिक जीवन में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। गणित के बिना आधुनिक जीवन की कल्पना करना कठिन है। गणित तर्क शक्ति, समस्या, समाधान और विश्लेषणात्मक सोच को विकसित करता है। गणित न केवल एक शैक्षणिक विषय है, बल्कि यह जीवन जीने का की एक कल भी है।

इस अवसर पर डॉ. हेमलता शर्मा, डॉक्टर सिमरतपाल, डॉक्टर नीतू सेठी, भारती, पूजा सहित प्राध्यापिकाएं उपस्थिति रही।

# प्रधानमंत्री आवास योजना-2.0 के तहत नगर निगम में आए 975 आवेदनः डॉ. वैशाली शर्मा

## टीम आवेदनों की कर रही जांच, सत्यापन कर भेजे जाएंगे निदेशालय

**एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी**

**करनाल।** नगर निगम करनाल क्षेत्र के बेघर लोगों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी- 2.0 के तहत ऑनलाईन आवेदन करने की प्रक्रिया जारी है। नागरिक पीएमएवाई 2.0 पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। इसे लेकर शहर में घर बनाने की चाहत रखने वाले तथा पक्का मकान बनाने के लिए 975 आवेदन प्राप्त हुए हैं। शुक्रवार को यह जानकारी नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने दी।

उन्होंने बताया कि नगर निगम के नेहरू पैलेस स्थित कार्यालय में इन आवेदनों की जांच की जा रही है। जिन आवेदनकताओं के दस्तावेज पूर्ण हैं, उन्हें फोन करके ऑफलाईन माध्यम से दस्तावेज जमा करवाए जा रहे हैं, ताकि सम्बंधित फाईल को सत्यापन के लिए भेजा जा सके। उन्होंने बताया कि सम्बंधित वार्ड के कनिष्ठद्द अभियंता मौके पर जाकर देखेंगे कि उनके पास प्लॉट हैं या कच्चा मकान और यह अधिकृत क्षेत्र में आता है या नहीं, इनकी जांच की जाएगी। अगर सब सही पाया जाता है, तो उनकी फाईल को सत्यापित कर डी.पी.आर. तैयार करने के लिए शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय को प्रेषित कर दी जाएगी।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जिस भी आवेदनकर्ता के पास मलकियत का सबूत यानि रजिस्ट्री, हस्तांतरण विलेख, जमाबंदी या इंतकाल जैसे मलकियत के दस्तावेज नहीं होंगे और प्लॉट या कच्चा मकान अधिकृत क्षेत्र से बाहर होगा, उसे इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा। उन्होंने बताया कि आवेदनों की जांच के दौरान पाया गया है कि काफी लोगों के प्लॉट नगर निगम क्षेत्र से बाहर हैं, ऐसे लोगों को भी योजना का लाभ नहीं दिया जाएगा।

निगमायुक्त ने बताया कि इस योजना की विशेष बात यह है कि इसमें केवल बीपीएल ही नहीं बल्कि अन्य मध्यम वर्गीय परिवार भी अटल सेवा केन्द्र से ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं।

# साइक्लोथोन 2.0 यात्रा हेतु 'नशा मुक्ति हरियाणा गीत' को उपायुक्त उत्तम सिंह ने किया लांच

**एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी**

**करनाल।** सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के तत्वाधान में जन जागरूकता की मुहिम के तहत जिला सूचना एवं जन संपर्क विभाग द्वारा तैयार किया गया 'नशा मुक्ति हरियाणा गीत' शुक्रवार को उपायुक्त उत्तम सिंह ने उपायुक्त कार्यालय में लांच किया। इस गीत को जिला सूचना एवं जन संपर्क कार्यालय करनाल में कार्यरत कलाकार हेमंत शर्मा ने गाया है, यह गीत नशे के खिलाफ जन जागरूकता में अहम भूमिका अदा करेगा।

इस मौके पर उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा नशे के खिलाफ हिसार से साइक्लोथॉन 2.0 यात्रा की शुरूआत की गई है, जो नशे के खिलाफ अपना संदेश देती हुई हरियाणा के प्रत्येक जिले से होकर गुजर रही है। ऐसे में यात्रा को सफल बनाने व युवाओं को प्रेरित करने हेतु गीत व संगीत के द्वारा युवाओं को प्रेरणा देने का यह गीत एक अनूठा कदम है। निश्चित तौर पर यह गीत के बोल भावनात्मक तौर पर युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करेंगे।

उपायुक्त उत्तम सिंह ने आगे जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा उदय आउटरीच कार्यक्रमों की श्रृंखला में हरियाणा को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से साइक्लोथॉन रैली हम सबका सांझा सपना-नशा मुक्त हो हरियाणा अपना- टैगलाइन के साथ 17 अप्रैल को करनाल जिला में प्रवेश करेगी। साइक्लोथॉन यात्रा 17 अप्रैल को करनाल जिला के कुताना गांव से एंट्री करेगी, इसके उपरांत मूनक, गगसीना, घोघड़ीपुर होते हुए करनाल के हांसी चौक पहुंचेगी और करनाल में रात्रि ठहराव होगा। इसके बाद अगले दिन 18 अप्रैल को प्रातः 6 बजे करनाल के एनडीआरआई चौक से रवाना होगी और गांव शामगढ़, सलारू, इंद्री और खानपुर गांव होते हुए अगले जिले में प्रवेश करेगी।

इस मौके पर जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी मनोज कौशिक, सहायक सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी बलराम शर्मा, कलाकार हेमंत शर्मा भी उपस्थित थे।

# वज्रपात एवं आंधी तूफान में मौत के बाद परिजनों को दिया गया 4-4 लाख का मुआवजा

**एसबी ब्यूरो प्रमुख/मृगांक शेखर सिंह**

**जमुई।** जमुई जिला अंतर्गत गुरुवार को जमुई प्रखंड के मँझवे पंचायत के नवीनगर गांव में ललिता देवी (मृतक), पति मनोज सिंह (लाभुक) को आंधी तूफान एवं वर्षा के कारण ताड़ का पेड़ झोपड़ी नुमा घर पर गिरने से दबने के कारण, प्रखंड सिकंदरा के पोहे पंचायत अंतर्गत पोह गांव के धनेश्वरी देवी (मृतक) पति यमुना तांती (लाभुक) तथा खैरा प्रखंड अंतर्गत अमारी पंचायत के ग्राम मिल्की के रंजू कुमारी (मृतक) पति सुरेंद्र कुमार दास (लाभुक) के मौत हो जाने के कारण दिनांक 11 अप्रैल 2025 (गुरुवार) को जिलाधिकारी जमुई अभिलाषा शर्मा के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के अंदर मृतक के निकटतम आश्रित को प्राकृतिक आपदा राहत कोष के तहत अनुग्रह अनुदान राशि के रूप में चार लाख रुपए का चेक दिया गया।

इसके साथ-साथ जिला कृषि पदाधिकारी को संबंधित प्रखंड कृषि पदाधिकारी के माध्यम से फसल क्षति का सर्वे करने का भी निर्देश जिला पदाधिकारी दिया गया है ताकि फसल क्षति का मुआवजा संबंधित कृषकों को समय मिल सके।

# स्वास्थ्य शरीर में स्वस्थ मन बसता है-जिला जज

बनारस बार में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में जांच करवाते हुए जिला जज संजीव पांडेय। (छायाः एसबी)

**एसबी संवाददाता**

**वाराणसी।** शुक्रवार को दी बनारस बार एसोसिएशन और क्लियरमेडी डीएमएच हास्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में अधिवक्ताओं के लिए निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है। स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलित करके जिला जज संजीव पांडेय ने किया।

इस अवसर पर जिला जज ने कहा कि स्वास्थ्य शरीर में ही स्वस्थ्य मन बसता है इसलिए शरीर की नियमित जांच आवश्यक है। स्वास्थ्य शिविर का सैकड़ों अधिवक्ताओं ने लाभ उठाया। अधिवक्ताओं को निःशुल्क जांच और परामर्श विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ डाक्टरों ने दिया। जिनमें प्रमुख रूप से जनरल फिजिशियन डा अक्षय सैनी, स्त्री एवं प्रसूति रोग डॉ अनामिका बघेल, दन्त रोग डा मोनिका सिंह, हड्डी रोग विशेषज्ञ डा शिवजी प्रजापति आदि डाक्टर स्वास्थ्य शिविर में उपस्थित रहकर परामर्श दिया।

स्वास्थ्य शिविर में बनारस बार के अध्यक्ष सतीश तिवारी, महामंत्री शशांक श्रीवास्तव, राघवेन्द्र दूबे, राघवेन्द्र सिंह, क्लियरमेडी के अश्विनी, बिजनेस हेड सम्भ्रांत श्रीवास्तव, गौतम कुमार झा आदि थे।

# मनोज भावुक बेस्ट राइटर अवार्ड (सिनेमा-पुस्तक) से सम्मानित

**संजना भारती संवाददाता**

**लखनऊ।** गत 10 अप्रैल को इंदिरा गाँधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में आयोजित 'सरस सलिल भोजपुरी सिने अवार्ड्स 2025' में सुप्रसिद्ध लेखक मनोज भावुक को वर्ष 2024 में प्रकाशित उनकी भोजपुरी किताब 'भोजपुरी सिनेमा के संसार' के लिए 'बेस्ट राइटर अवार्ड' से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक।

इस दौरान मनोज भावुक ने अपने भाषण में कहा कि यह किताब 30 वर्षों की तपस्या का प्रतिफल है। इस पुस्तक में 1931 से लेकर अब तक के इतिहास को सहेजा गया है।

अमिताभ बच्चन, सुजीत कुमार, राकेश पांडेय, कुणाल सिंह, रवि किशन और मनोज तिवारी जैसी सिने-हस्तियों के साक्षात्कार शामिल हैं, भोजपुरी सिनेमा की चुनौतियों, संभावनाओं, बिजनेस और भविष्य पर खुलकर लिखा गया है। साथ ही ओटीटी, भोजपुरी वेबसिरिज, टेलीफिल्म, सीरियल पर भी प्रकाश डाला गया है। यह भोजपुरी सिनेमा पर भोजपुरी भाषा में पहली किताब है। इससे पहले भी मनोज भावुक को फिल्मफेयर व फेमिना द्वारा सम्मानित किया गया है।

# शिक्षा सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावशाली हथियार है : प्रो. सुरेश मल्होत्रा, कुलपति

**एसबी विशेष संवाददाता**

**करनाल।** महान स्वतंत्रता सेनानी, विधिवेत्ता एवं संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती शुक्रवार को महाराणा प्रताप उद्यान विश्वविद्यालय करनाल में एमएचयू के माननीय कुलपति डॉ. सुरेश कुमार मल्होत्रा के नेतृत्व में बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत निदेशक, छात्र कल्याण, प्रो. रंजन गुप्ता के उद्घाटन भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने डॉ. अंबेडकर के संविधान निर्माण में योगदान और समाज में समानता व शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को रेखांकित किया। छात्रों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया और डॉ. अंबेडकर के जीवन व विचारों पर प्रभावशाली भाषण दिए, जो उनके समतामूलक और न्यायपूर्ण समाज की कल्पना को दशार्ते थे। इस अवसर पर उपस्थित सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के आदर्शों पर चलने तथा समता, बंधुत्व और न्याय के मूल्यों को जीवन में अपनाने की शपथ भी ली। इस कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. राज कुमार, सहायक प्रो. एवं एनएसएस परियोजना अधिकारी द्वारा किया गया। मौके पर डॉ. विजय अरोड़ा, डॉ. युवराज गोपीनाथ कसल, डॉ. उमा प्रजापति और डॉ. मनीष सहित अन्य अधिकारी, स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

# मंडी प्रशासक एवं एसडीएम ने अनाज मंडी राजौंद, पाई, सीवन में किया अटल कैंटीन का शुभारंभ

## किसानों को गेहूं बिक्री में नहीं आनी चाहिए कोई परेशानीः एसडीएम

**एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार**

**कैथल/राजौंद।** अनाज मंडी राजौंद, पाई, सीवन के प्रशासक एवं एसडीएम अजय कुमार ने शुक्रवार को तीनों अनाज मंडियों में किसानों व मजदूरों के लिए शुरू की गई अटल कैंटीन का शुभारंभ किया। जहां किसानों व मजदूरों को दस रुपये में खाना दिया जाएगा। उन्होंने इस दौरान खाने की गुणवत्ता की जांच की और कहा कि किसानों व मजदूरों को अच्छी गुणवत्ता का नियमानुसार खाना दिया जाए। मंडी प्रशासक ने इसके बाद तीनों मंडियों में गेहूं की आवक को लेकर निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान खरीद से लेकर उठान की तैयारियों के बारे में बारीकी से जानकारी हासिल की और निर्देश दिए कि निर्देश दिए कि खरीद प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाया जाया। किसानों व आढ़तियों के साथ तालमेल रखते हुए फसल की समय पर खरीद की जाए और उसका उठान किया जाए। अधिकारी सुनिश्चित करें कि मंडी में सड़क पर गेहूं न डाला जाए, ताकि आवागमन सही प्रकार से हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि किसानों को मंडी में फसल बेचते समय किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। एसडीएम ने कहा कि मंडियों में पेयजल की सुविधा हो। साथ ही शौचालयों की साफ-सफाई नियमित रूप से की जाए।

# आरोही आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ग्योंग में खाली सीटों पर 16 अप्रैल को होगी पुनः प्रवेश परीक्षा

**एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार**

**कैथल।** आरोही आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ग्योंग में जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग कैथल के तत्वावधान में चल रहे प्रवेशोत्सव कार्यक्रम की निरंतरता में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम हर्षोंल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ मनीष सिंगला ने बताया कि आज विद्यालय ने शत प्रतिशत ट्रांजिशन का लक्ष्य पूरा कर लिया है। प्रवेशोत्सव कार्यक्रम की सफलता के लिए आरोही विद्यालय अभिभावकों एवं ग्राम पंचायत के अनुरोध पर कक्षा 6,7,8,9 तथा कक्षा 11 की सभी खाली सीटों पर 16 अप्रैल 2025 को पुनः प्रवेश परीक्षा का आयोजन करने जा रहा है। जो भी बच्चा पहले प्रवेश परीक्षा में किसी कारण से भाग नहीं ले पाया था वो अब इस प्रवेश परीक्षा में भाग ले सकता है। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने प्रार्थना सभा में संकल्प लिया कि हम सब मिलकर गाँव ग्योंग को शून्य ड्रॉप आउट बनाते हुए प्रवेश उत्सव कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों का शत-प्रतिशत नामांकन करने का सार्थक प्रयास करें। प्रवेशोत्सव कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के हिंदी प्राध्यापक डॉ विजय चावला, विनोद कुमार आर्य, डॉ जसबीर कौर, प्रतिभा मित्तल, पूजा रानी आदि का विशेष योगदान रहा।

# फिरौती के लिए फायरिंग करने के मामले में स्पेशल डिटेक्टिव युनिट द्वारा आरोपी गिरफ्तार

## 2 दिन के पुलिस रिमांड पर आरोपी

आरोपी स्पेशल डिटेक्टिव युनिट पुलिस गिरफ्त में। (छायाः एसबी)

**एसबी संवाददाता**

**कैथल।** पूंडरी में फिरौती के लिए एक दुकान पर फायरिंग करने के मामले में स्पेशल डिटेक्टिव युनिट प्रभारी एसआई रमेश कुमार की अगुवाई एसआई सुभाष की टीम द्वारा आरोपी कैथला खुर्द जिला कुरुक्षेत्र निवासी कमलजीत को नियमानुसार गिरफ्तार कर लिया गया। डीएसपी सुशील प्रकाश ने जानकारी देते हुए बताया कि 26 फरवरी को पूंडरी स्थित एक मिठाई दुकान के मालिक पर एक बाइक पर सवार अज्ञात युवकों द्वारा फिरौती की मांग के एवज में फायरिंग की गई थी। जिस बारे थाना पूंडरी में मामला दर्ज है। मामले की जांच दौरान 13 मार्च की रात स्पेशल डिटेक्टिव युनिट पुलिस टीम द्वारा मामले में वांछित आरोपी गांव छुड़ानी जिला झज्जर निवासी अनूप उर्फ आशीष उर्फ फैजल के राजौंद क्षेत्र में होने की सूचना मिली। पुलिस टीमों द्वारा राजौंद क्षेत्र में उसे खोजकर सरेंडर करने का मौका दिया गया। लेकिन आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी अनूप की मौत हो गई। मामले की आगामी जांच दौरान स्पेशल डिटेक्टिव युनिट पुलिस द्वारा 4 अन्य आरोपियों को भी काबू करके जेल भेजा जा चुका है। डीएसपी ने बताया कि आरोपी कमलजीत भी फायरिंग करने की वारदात में शामिल था। आरोपी इससे पूर्व किसी अन्य मामले में यमुनानगर जेल में बंद था, जिसकी उक्त मामले में गिरफ्तारी के लिए माननीय न्यायालय की मार्फत प्रोडक्शन वारंट जारी करवाए गए थे। आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर लेकर नियमानुसार गिरफ्तार कर लिया गया। व्यापक पूछताछ के लिए आरोपी का न्यायालय से 2 दिन पुलिस रिमांड हासिल किया गया है।

# उज्ज्वल गुप्ता के नेतृत्व में शिष्टमंडल पूर्व मंत्री आबिद रजा से मिला

**एसबी ब्यूरो प्रमुख इन्तजार हुसैन**

**बदायूँ।** पूर्व मंत्री आबिद रजा ने चेयरमैन फात्मा रजा से श्री हनुमान जन्मोत्सव एवं शोभायात्रा के अवसर पर मार्ग पर गड्ढे, सफाई, लाइट, चूने की व्यवस्था करने को कहा। फात्मा रजा ने मुख्य सफाई निरीक्षक/सफाई निरीक्षक, प्रकाश अधीक्षक/संबंधित सफाई नायक से श्री हनुमान जन्मोत्सव एवं शोभायात्रा के मार्ग पर सफाई, लाइट, पानी व अन्य सभी व्यवस्था पर दुरुस्त करने के सख्त निर्देश दिए।

विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी श्री हनुमान जन्मोत्सव एवं शोभायात्रा लाला हरप्रसाद मंदिर पुरानी चुंगी से होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई विशाल शोभायात्रा 12 अप्रैल को निकाली जाएगी।

शोभायात्रा शहर के लाला हर प्रसाद मंदिर से प्रारंभ होकर शहर के पुरानी चुंगी, टिकटगंज, हलवाई चौक, खैराती चौक, नेहरू चौक, गोपी चौक, लोटनपुरा, नगर पालिका, जोगीपुरा, लबेला चौक छः सड़का, गांधी ग्राउंड, दिनेश चौक, पुराना बाजार होते हुए प्रारंभिक निर्धारित स्थल पर पहुंचेगी।

यहां यह भी बता दें कि श्री हनुमान जन्मोत्सव एवं शोभायात्रा के अध्यक्ष उज्ज्वल गुप्ता के नेतृत्व में शिष्टमंडल पूर्व मंत्री आबिद रजा से मिले। उन्होंने श्री हनुमान जन्मोत्सव एवं शोभायात्रा जो 12 अप्रैल को निकलना है जुलूस के मार्ग पर गड्ढे को ठीक कराने, लाइट, सफाई, चूना और छिड़काव कराने का आग्रह किया। इस संबंध में पूर्व मंत्री आबिद रजा ने चेयरमैन फात्मा रजा से बात की, चेयरमैन फात्मा रजा ने नगर पालिका के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि श्री हनुमान जन्मोत्सव एवं शोभायात्रा पर सफाई, लाइट व्यवस्था जुलूस मार्ग पर दुरुस्त रहनी चाहिए तथा अवर अभियंता निर्माण को सख्त निर्देश दिए कि हर हाल में श्री हनुमान जन्मोत्सव एवं शोभायात्रा के जुलूस मार्ग पर कोई गड्ढा नहीं रहना चाहिए।